५. “यह दंतुरित मुसकान” और “फ़सल”

कविता का सारांश

यह दंतुरित मुसकान

प्रस्तुत कविता "यह दंतुरित मुसकान" में कवि हरिवंश राय बच्चन ने बालक की निराली मुसकान का अत्यंत हृदयस्पर्शी और मनोमुग्धकारी चित्र प्रस्तुत किया है।

कवि कहता है कि बच्चे की यह मासूम दंतुरित (दाँतों से युक्त) मुसकान इतनी जीवंत और मोहक है कि यह मृतक में भी प्राण डाल सकती है। कवि को लगता है मानो बच्चे की मुसकान से कठोर पाषाण भी पिघलकर जल बन गया हो और झरनों की तरह फूल झरने लगे हों।

कवि बालक से पूछता है कि क्या तुम मुझे पहचान नहीं पाए? परंतु वह मानता है कि पहली भेंट में पहचान न होना स्वाभाविक है। वह स्वीकार करता है कि यदि माँ माध्यम न बनी होती तो वह बालक से मिल भी न पाता।

बालक की मुसकान को देखकर कवि को लगता है कि माँ भी धन्य है, जिसने ऐसे अद्भुत और सौम्य व्यक्तित्व वाले बालक को जन्म दिया। जब बालक कनखी मारकर कवि की ओर देखता है और आँखें चार होती हैं, तब उसकी दंतुरित मुसकान कवि को अनुपम छवि-सी प्रतीत होती है।

- **निष्कर्ष** : इस कविता में बच्चन जी ने बालक की मासूम मुसकान में जीवन, सृजन और आनंद का संदेश देखा है। यह मुसकान केवल बालक की नहीं, बल्कि जीवन की निर्मलता और सौंदर्य का प्रतीक है।

फ़सल

प्रस्तुत कविता "फ़सल" में कवि मंगलेश डबराल ने खेतों में उगने वाली फ़सल का जीवंत चित्र प्रस्तुत किया है। कवि बताता है कि फ़सल केवल अन्न का ढेर नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और मानव परिश्रम का अद्भुत संगम है।

फ़सल में अनेक नदियों के पानी का जादू समाया है। यह लाखों-करोड़ों मेहनतकश हाथों के स्पर्श की गरिमा को अपने भीतर समेटे हुए है। हज़ारों खेतों की मिट्टी के गुण धर्म और उपजाऊ शक्ति से ही यह जन्म लेती है।

कवि कहता है कि फ़सल सूर्य की किरणों के रूपांतरण का परिणाम है, इसमें हवा की थिरकन और वातावरण की संकोची छुअन भी शामिल है। इस प्रकार फ़सल केवल धरती की देन नहीं, बल्कि जल, मिट्टी, वायु, अग्नि और मानव श्रम – इन सबका संयुक्त चमत्कार है।

- **निष्कर्ष** : इस कविता में कवि ने फ़सल को प्रकृति और श्रम की सामूहिक कृति बताया है। यह जीवन का आधार है और हमें यह समझना चाहिए कि इसमें कितनी शक्तियों और परिश्रम का योगदान निहित है।

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

यह दंतुरित मुसकान

1. बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: बच्चे की दंतुरित मुसकान को देखकर कवि का मन प्रसन्नता से भर उठता है। उसे लगता है कि यह मुस्कान मृत व्यक्ति में भी जान डाल सकती है।

2. बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?

उत्तर: बच्चे की मुस्कान सरल, भोली, स्वाभाविक और निश्छल होती है, जबकि बड़े व्यक्ति की मुस्कान बनावटी, कुटिल और परिस्थितियों पर निर्भर होती है।

3. कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को किन-किन बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है?

उत्तर: कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को निम्नलिखित बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है-

- मृतक में भी जान डाल देना
- कमल का तालाब छोड़कर झोपड़ी में खिलना
- बाँस या बबूल से शेफालिका के फूल झरना
- स्पर्श पाकर पत्थर का पिघलना
- तिरछी नज़रों से देखकर मुसकाना

4. भाव स्पष्ट कीजिए –

(क) छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात।

उत्तर: शिशु की निश्छल मुस्कान कवि को ऐसा अनुभव कराती है जैसे कोई कमल का फूल तालाब में न खिलकर उसकी झोपड़ी में खिल उठा हो।

(ख) छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल?

उत्तर: शिशु के स्पर्श मात्र से कठोर वृक्ष भी फूल झाड़ने लगते हैं। इसका भाव है कि उसके स्पर्श से कठोर हृदय भी कोमल और आनंदित हो जाते हैं।

रचना और अभिव्यक्ति

5. मुसकान और क्रोध भिन्न-भिन्न भाव हैं। इनकी उपस्थिति से बने वातावरण की भिन्नता का चित्रण कीजिए।

उत्तर: मुसकान वातावरण में उल्लास और अपनत्व भर देती है, जबकि क्रोध वातावरण को तनावपूर्ण और अशांत बना देता है।

6. दंतुरित मुसकान से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर: बच्चे की उम्र लगभग 8–9 महीने की रही होगी, क्योंकि इसी आयु में बच्चों के दाँत निकलने शुरू होते हैं।

7. बच्चे से कवि की मुलाकात का जो शब्द-चित्र उपस्थित हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: पहली मुलाकात में बच्चा कवि को एकटक देखता रहता है। उसकी मुस्कान कवि के मन को प्रसन्न करती है और उन्हें ऐसा लगता है जैसे कमल तालाब छोड़कर उनकी झोपड़ी में खिला हो।

www.onepointlearning.com

फ़सल

1. **कवि के अनुसार फसल क्या है?**

   उत्तर: कवि के अनुसार फ़सल नदियों के पानी का जादू, किसानों के हाथों का परिश्रम, मिट्टी का गुण, सूर्य की किरणों और हवा की थिरकन का परिणाम है।

2. **कविता में फ़सल उपजाने के लिए आवश्यक तत्वों की बात कही गई है। वे कौन-कौन से हैं?**

   उत्तर: कविता में फसल उपजाने के लिए मनुष्य का परिश्रम, पानी, मिट्टी, धूप और हवा जैसे आवश्यक तत्वों की बात कही गई है ।

3. **फ़सल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?**

   उत्तर: कवि यह बताना चाहता है कि फ़सल केवल प्रकृति की देन नहीं, बल्कि किसानों और मजदूरों के कठोर परिश्रम का फल है।

4. **भाव स्पष्ट कीजिए –**

   (क) रूपांतर है सूरज की किरणों का

   सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!

   उत्तर: इन पंक्तियों का भाव है कि सूरज की किरणें फ़सल को पकाने में मदद करती हैं और हवा की मंद गति उसे बढ़ने में सहायक होती है।

रचना और अभिव्यक्ति

5. **कवि ने फ़सल को हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म कहा है –**

   (क) मिट्टी का गुण-धर्म क्या है?

   उत्तर: मिट्टी के पोषक तत्व और उपजाऊ क्षमता ही उसका गुण-धर्म है।

   (ख) वर्तमान जीवन शैली मिट्टी के गुण-धर्म को किस प्रकार प्रभावित करती है?

   उत्तर: रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, प्लास्टिक और प्रदूषण से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति नष्ट हो रही है।

   (ग) यदि मिट्टी अपना गुण-धर्म छोड़ दे तो क्या होगा?

   उत्तर: यदि मिट्टी ने अपना गुण-धर्म खो दिया तो धरती से हरियाली, फ़सलें और जीवन सब समाप्त हो जाएगा।

   (घ) मिट्टी के गुण-धर्म को पोषित करने में हमारी भूमिका क्या हो सकती है?

   उत्तर: हम वृक्षारोपण, रासायनिक तत्वों के प्रयोग को कम करने और प्रदूषण रोककर मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रख सकते हैं।

www.onepointlearning.com